Series S4PQR/4

SET-2

प्रश्न-पत्र कोड **29/4/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **14** है । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खंड हैं - **खंड-'अ'** और **'ब'** । **खण्ड-'अ'** में **40** बहुविकल्पी/वस्तुपरक उपप्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी **40** उपप्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iii) ***खण्ड-'ब'** में 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(iv) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए ।*

(v) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

खंड – अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $8 \times 1 = 8$

परमगुरु,
दो तो ऐसी विनम्रता दो
कि अंतहीन सहानुभूति की वाणी बोल सकूँ
और यह अंतहीन सहानुभूति पाखंड न लगे ।
दो तो ऐसा कलेजा दो
कि अपमान, महत्त्वाकांक्षा और भूख
की गाँठों में मरोड़े हुए
उन लोगों का माथा सहला सकूँ
और इसका डर न लगे
फिर हाथ ही काट खाएगा ।
दो तो ऐसी निरीहता दो
कि इस दहाड़ते आतंक के बीच
फटकार कर सच बोल सकूँ
और इसकी चिंता न हो
कि इस बहुमुखी युद्ध में
मेरे सच का इस्तेमाल
कौन अपने पक्ष में करेगा
यह भी न दो
तो इतना ही दो
कि बिना मरे चुप रह सकूँ ।

(i) पद्यांश में कवि ने कैसी विनम्रता की याचना की है ?

(A) छल-कपटपूर्ण सहानुभूति दिखाने वाली

(B) मृत्युपर्यंत सहानुभूति दिखाने वाली

(C) छल करने वाली

(D) अनैतिकता दिखलाने वाली

(ii) 'माथा सहला सकूँ' का आशय है –

(A) सांत्वना देना (B) दुख दूर करना

(C) सिर सहलाना (D) मस्तिष्क ठीक करना

(iii) कवि ने किन लोगों को सांत्वना देने की बात की है ?

(A) सम्मानपूर्ण और संतोषपूर्ण जीवन जीने वालों को

(B) अपमान, भूख से पीड़ित आगे बढ़ने की इच्छा वालों को

(C) दरिद्रतापूर्ण जीवन जीने वालों को

(D) दिन रात श्रम करने वाले प्राणियों को

(iv) 'निरीहता' का अर्थ है –

(A) अनासक्ति (B) तीव्रता

(C) निष्पक्षता (D) अभिलाषिता

(v) इस कविता के केंद्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : (1) दीन-दुखियों की सहायता करने की याचना

(2) निडर होकर सत्य बोलने की याचना

(3) जीवन रूपी युद्ध में वीरता दिखाने की याचना

(4) आतंक के वातावरण में सबको भयभीत करने की याचना

विकल्प :

(A) कथन (1) और (2) सही हैं ।

(B) कथन (1) और (3) सही हैं ।

(C) कथन (1), (2) और (3) सही हैं ।

(D) कथन (2), (3) और (4) सही हैं ।

(vi) 'बहुमुखी' शब्द का अर्थ क्या है ?

(A) चारों तरफ मुँह दिखाने वाला (B) विभिन्न मुखों वाला

(C) अनेक विषयों से संबंध रखने वाला (D) विशेष साधनों को जोड़ने वाला

(vii) 'कि इस दहाड़ते आतंक के बीच
फटकार कर सच बोल सकूँ' – पंक्ति के संदर्भ में कवि की चारित्रिक विशेषता है –

(A) सत्यप्रियता (B) निर्भयता

(C) दृढ़ता (D) कठोरता

(viii) पद्‌यांश के अंत में कवि ने गुरु से क्या निवेदन किया है ?

(A) दुख दैन्यपूर्ण संसार में कठोरवाणी बोलने का

(B) दूसरों की हताशा, दीनता का प्रचार करने का

(C) धनिकों के जीवन को धिक्कारने का

(D) दु:साहस न कर चुप रहने का

2. निम्नलिखित गद्‌यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **10 × 1 = 10**

यदि मानव परस्पर पृथक् होकर कार्य तथा विचार करें तो मानवसमाज की प्रगति संभव नहीं। इसलिए मनुष्य का मन, वचन और कर्म से यथासंभव एक होना आवश्यक है। यदि हम एकजुट होकर काम करते हैं तो हमारी उन्नति निश्चित है। यदि हम बँटकर, बिखरकर काम करते हैं तो हमारी अवनति होकर रहेगी। कहते हैं कि एकता में ही बल है – अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता। एक मामूली तिनके की क्या बिसात ! किंतु जब वही संगठित हो जाता है तो उससे बनी रस्सी के द्‌वारा बड़े-बड़े उन्मत्त गजराज भी बाँध दिए जाते हैं।

एक नन्हीं-मुन्नी बूँद की क्या हस्ती ! किन्तु वही बूँद मिलकर समुदाय रूप में जब नद बन जाती है तो उसके सामने बड़े-बड़े भूधर भी काँपने लगते हैं। एक छोटी-सी ईंट तो किसी ठोकर या चोट से फोड़ी जा सकती है किंतु जब वही मिलकर दीवार बनती है तो बड़े-बड़े वीरों के पथ अवरुद्‌ध हो जाते हैं। जो चींटी छोटी और दुबली मालूम पड़ती है, वही जब एक साथ हो जाती है तो विषधर भुजंगों को भी चट कर जाती है। यदि चिड़ियाँ एका कर लें तो शेर की खाल खींच सकती हैं। यदि हम अपने शरीर की ओर देखें तो एकता का महत्त्व स्पष्ट हो जाएगा।

विनोबा भावे ने कहा है कि सबको हाथ की पाँचों उँगलियों की तरह रहना चाहिए। हाथ की पाँचों उँगलियाँ तो समान नहीं है – कोई छोटी है, कोई बड़ी। लेकिन हाथ से किसी को उठाना होता है तो पाँचों इकट्‌ठा होकर उठाती हैं, हैं तो पाँच लेकिन काम हज़ार का कर लेती हैं – उनमें एकता जो है।

एकता के अभाव में दुष्परिणाम कितना भयावह होता है । कौरव और पाण्डव की आपसी फूट के कारण इतना बड़ा महाभारत हुआ जिसे सारा संसार जानता है । अनाचारी रावण भी शायद ही पराजित होता यदि अपने छोटे भाई विभीषण को लात मारकर वह अपने से अलग नहीं कर देता ।

अत: यह आवश्यक है कि यदि परिवार में सुख-शांति और समृद्धि की त्रिवेणी लहराती हुई देखना चाहते हैं तो परिवार के सदस्यों को एकता के दिव्यमंत्र से दीक्षित करें । हम देश में, समग्र संसार में एकता का शंख फूँकें और 'वसुधैव कुटुंबकम्' की डोर में बँध जाएँ ।

(i) मानव समाज की प्रगति संभव है –

(A) मन, वचन से एक होकर कार्य करने से ।

(B) मन, कर्म से अनेक होकर कार्य करने से ।

(C) मन, वचन, कर्म से एक होकर कार्य करने से ।

(D) मन, वचन, कर्म से अलग होकर कार्य करने से ।

(ii) 'अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता' – लोकोक्ति का अर्थ है –

(A) एक व्यक्ति दूसरों के सहयोग से बड़ा काम कर सकता है ।

(B) एक व्यक्ति दूसरों के सहयोग से कोई काम नहीं कर सकता ।

(C) एक व्यक्ति काम करने में सक्षम नहीं होता ।

(D) केवल एक व्यक्ति बड़ा काम करने में सक्षम नहीं है ।

(iii) गद्यांश में बूँद, तिनके, चींटी आदि का उदाहरण दिया गया है –

(A) एकता का महत्त्व समझाने के लिए ।

(B) छोटे-बड़े जीव का आदर करने के लिए ।

(C) छोटे-बड़े जीव का महत्त्व समझाने के लिए ।

(D) 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना का प्रसार करने के लिए ।

(iv) यदि बूँदों का समन्वित रूप नद है, तो नदों का समन्वित रूप होगा –

(A) नदी (B) स्रोत

(C) सागर (D) तालाब

(v) गद्यांश में आए वाक्य 'वीरों के पथ अवरुद्ध हो जाते हैं' का आशय है –

(A) वीरों के रास्ते भी खुल जाते हैं । (B) वीरों की गति रुक जाती है ।

(C) वीरों के भी रास्ते बंद हो जाते हैं । (D) वीरों की वीरता शिथिल हो जाती है ।

(vi) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : सुख-शांति और समृद्धि के लिए एकता की डोर में बँधे रहना आवश्यक है ।

कारण : एकजुट होकर कार्य करने से प्रगति और उन्नति निश्चित है ।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं ।

(B) कथन गलत है किंतु कारण सही है ।

(C) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।

(vii) हाथ की पाँच उँगलियों के माध्यम से लेखक ने संदेश दिया है कि –

(A) कार्य की सफलता के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग का होना अपेक्षित है ।

(B) एकजुट होकर काम करने से बड़े से बड़ा काम संभव हो सकता है ।

(C) हाथों की मदद से हर कार्य को सरलतापूर्वक किया जा सकता है ।

(D) बिना उँगलियों की मदद से कोई कार्य नहीं किया जा सकता ।

(viii) अनेकता के भयावह परिणाम के रूप में, गद्यांश में आया है –

(A) देव-दानव युद्ध (B) महाभारत युद्ध

(C) पाण्डवों का वनवास (D) राम-रावण युद्ध

(ix) विभीषण के बारे में लोक प्रसिद्ध कहावत है –

(A) सीता का रक्षक (B) राम का भक्त

(C) घर का भेदिया (D) रावण का भाई

(x) 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का आशय है –

(A) पूरी पृथ्वी परिवार से महान है ।

(B) पूरा परिवार पृथ्वी में समाया हुआ है ।

(C) पूरी पृथ्वी एक परिवार का अंग है ।

(D) पूरी पृथ्वी ही एक परिवार की तरह है ।

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

अरुण यह मधुमय देश हमारा !
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा ।
सरस तामरस गर्भ विभा पर–नाच रही तरुशिखा मनोहर ।
छिटका जीवन हरियाली पर–मंगल कुंकुम सारा !
लघु सुरधनु से पंख पसारे–शीतल मलय समीर सहारे ।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए–समझ नीड़ निज प्यारा ।

(i) "जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज" – इस पंक्ति में क्षितिज शब्द का अर्थ है –

(A) जहाँ आकाश का अंत होता है ।

(B) जहाँ धरती और आकाश मिलते हुए नजर आते हैं ।

(C) जहाँ आकाश रुक जाता है ।

(D) जहाँ आकाश और धरती नृत्य करते हैं ।

(ii) कविता में कवि ने किसका वर्णन किया है ?

(A) पेड़ों की शिखा पर नाचती सूर्य की किरणों का

(B) भोर के नभ की सुंदरता और विशिष्टता का

(C) पंख फैलाकर घर की ओर उड़ने वाले पक्षियों का

(D) भारत के प्राकृतिक सौंदर्य और महिमा का

(iii) "छिटका जीवन हरियाली पर–मंगल कुंकुम सारा" – का भाव है –

(A) वृक्षों की हरियाली पर लाली छाई है ।

(B) चारों तरफ कुंकुम फैला है ।

(C) सूरज ने भारतवासियों के जीवन को समृद्ध और खुशहाल बना दिया ।

(D) सूरज की लाल किरणें फैल रही हैं ।

(iv) 'अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा' का आशय क्या है ?

(A) भारत में सबको अपना समझा जाता है ।

(B) भारत में पक्षी भी सहारा पाते हैं ।

(C) भारत में अनजान लोगों की भी सहायता की जाती है ।

(D) भारत में कोई अनजान नहीं रहता ।

(v) 'मलय समीर सहारे' का अर्थ है –

(A) दक्षिण दिशा से आने वाली सुगंधित हवा

(B) चंदनवृक्षों का स्पर्श करने वाली हवा

(C) दक्षिण दिशा में उड़ने वाला खगदल

(D) पूर्व दिशा की ठंडी हवा

(अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न)

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

(i) इण्टरनेट पर समाचार –

(A) सुनने की सुविधा है ।

(B) देखने की सुविधा है ।

(C) पढ़ने, सुनने और देखने की सुविधा है ।

(D) पढ़ने की सुविधा है ।

(ii) सोहम एक पत्रकार है । उन्होंने राजनीति विज्ञान में एम.ए. किया है । राजनीति में उनकी बड़ी रुचि है । उनकी रुचि और रुझान के आधार पर उन्हें कौन–सी बीट दी जाने की संभावना है ?

(A) राजनीतिक (B) आर्थिक

(C) खेल जगत (D) शैक्षिक जगत

(iii) समाचार के मुखड़े (इंट्रो) में ख़बर लिखी जाती है –

(A) क्या, कौन, कब तथा कहाँ को आधार बनाकर ।

(B) क्या, कैसे, कब, कौन तथा क्यों को आधार बनाकर ।

(C) क्या, कौन, क्यों तथा कैसे को आधार बनाकर ।

(D) कौन, क्यों, कहाँ तथा कब को आधार बनाकर ।

(iv) किसी मुद्दे के प्रति समाचार-पत्र की अपनी राय प्रकट करने वाला लेखन होता है –

(A) संपादक के नाम पत्र (B) साक्षात्कार

(C) विशेष लेख (D) संपादकीय

(v) विशेषीकृत रिपोर्टिंग में होता है –

(A) सामान्य विषय/क्षेत्र से जुड़ी ख़बरों का विश्लेषण

(B) आम ख़बरों से भिन्न ख़बरों का विश्लेषण

(C) विशेष क्षेत्र या विषय से जुड़ी घटनाओं, मुद्दों, समस्याओं का विश्लेषण

(D) राजनीति के सिद्धांत और नीतिसंबंधी ख़बरों का विश्लेषण

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **$7 \times 1 = 7$**

(i) झोंपड़ी जल जाने पर सूरदास को किस बात का अधिक दुख था ?

(A) कपड़े जल जाने का

(B) रुपयों की पोटली जल जाने का

(C) झोंपड़ी जल जाने का

(D) बरतन-बासन जल जाने का

(ii) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ से उद्धृत पंक्ति 'दमड़ी-छदाम-कौड़ियों के लिए टेनी मारता हूँ ।' में 'दमड़ी-छदाम-कौड़ियों' का सांकेतिक अर्थ है –

(A) तोल के बाट (वज़न)

(B) प्राचीन भारतीय मुद्रा

(C) मिठाइयों के प्रकार

(D) छोटा-मोटा मुनाफा

(iii) विसनाथ पर क्या अत्याचार हो गया ?

(A) गाय का दूध पीने को दिया गया ।

(B) माँ का दूध पीना छुड़ा दिया गया ।

(C) छोटे भाई का जन्म हो गया ।

(D) दाई के द्वारा पालन-पोषण हुआ ।

(iv) लेखक विसनाथ ने माँ की तुलना बत्तख से क्यों की ?

(A) माँ और बत्तख दोनों बच्चे के जन्म होने के बाद छोड़ देते हैं ।

(B) दोनों अपने बच्चों की रखवाली दूसरे से करवाती हैं ।

(C) दोनों जन्म देने के बाद बच्चों की देखभाल स्वयं करती हैं ।

(D) दोनों में बच्चों के प्रति ममता, सुरक्षा और सतर्कता की भावना है ।

(v) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में किस शास्त्रीय गायन-शैली की चर्चा हुई है ?

(A) ठुमरी (B) भैरवी

(C) दक्षिण भारतीय (D) ओडिसी

(vi) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ का वर्ण्य विषय है –

(A) ग्रामीण जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य

(B) शहरी जीवन और शानशौकत

(C) राजसी ठाट-बाट और अंग्रेजी राज

(D) ज़मींदारों का व्यवहार और प्रकृति की बौखलाहट

(vii) मालवा में प्राचीन राजाओं ने धरती के पानी को जीवंत रखने के लिए क्या किया ?

(A) तालाबों को गाद से भर दिया ।

(B) तालाब बनवाये – बड़ी-बड़ी बावड़ियाँ बनवाई ।

(C) ज़मीन के पानी को पाताल से भी निकाल दिया ।

(D) नदियों के रास्तों को बदल दिया ।

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

वैदिक काल के हिंदू ढेले छुआकर स्वयं पत्नीवरण करते थे । आप कह सकते है कि जन्मभर के साथी की चुनावट मट्टी के ढेलों पर छोड़ना कैसी बुद्धिमानी है । अपनी आँखों से जगह देखकर, अपने हाथ से चुने हुए मट्टी के डगलों पर भरोसा करना क्यों बुरा है और लाखों-करोड़ों कोस दूर बैठे बड़े-बड़े मट्टी और आग के ढेलों-मंगल और शनैश्चर और बृहस्पति की कल्पित चाल के कल्पित हिसाब का भरोसा करना क्यों अच्छा है, यह मैं क्या कह सकता हूँ ? बकौल वात्स्यायन के, आज का कबूतर अच्छा है कल के मोर से, आज का पैसा अच्छा है कल के मोहर से ।

(i) गद्यांश में बताई गई स्वयंवर प्रथा को माना जा सकता है –
(A) लोगों की बुद्धिमानी
(B) अंधविश्वास
(C) समाज की मान्यता
(D) समाज की रीति

(ii) गद्यांश में आए 'बुद्धिमानी' शब्द का भाव है –
(A) चालाकी
(B) अज्ञानता
(C) बेवकूफी
(D) प्रेरणा

(iii) ढेले छुआकर स्वयं पत्नीवरण करने की प्रथा कब प्रचलित थी ?
(A) आदिकाल में
(B) पाषाणयुग में
(C) त्रेतायुग में
(D) वैदिक काल में

(iv) गद्यांश में मंगल, शनि, बृहस्पति आदि ग्रहों का वर्णन क्यों किया गया है ?
(A) मानव जीवन पर पड़ने वाले इनके प्रभाव का वर्णन करने के लिए ।
(B) मिट्टी के ढेलों के आधार पर की जाने वाली स्वयंवर प्रथा का वर्णन करने के लिए ।
(C) लोक-जीवन में व्याप्त अंधविश्वासों और मान्यताओं पर चोट करने के लिए ।
(D) अंतरिक्ष में स्थित खगोलीय पिण्डों से परिचित कराने के लिए ।

(v) "आज का कबूतर अच्छा है कल के मोर से" – वाक्य का आशय है –
(A) आज कबूतर मिल रहा है, कल मोर मिलेगा
(B) आज कबूतर सस्ते हैं – कल महँगे हो जाएँगे
(C) वर्तमान की छोड़ो, भविष्य की चिंता करो ।
(D) आज का कम भी कल के अधिक से अच्छा है ।

खंड – ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित **तीन** शीर्षकों में से किसी **एक** शीर्षक पर लगभग **120** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : **5**

(क) फूलों की घाटी

(ख) पक्षियों का स्वच्छंद जीवन

(ग) ऋतुओं की आँख मिचौनी

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(क) 'कहानी' क्या है ? प्राचीन काल में इस संचार माध्यम का प्रयोग लोकप्रिय क्यों था और किसलिए होता था ?

(ख) साहित्य की अन्य विधाओं से नाटक विधा के रूप में अंतर का कारण बताते हुए, नाटक के तत्त्वों पर विचार कीजिए ।

(ग) कविता में बिंब का निर्माण कैसे होता है ? उदाहरण देकर समझाइए ।

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(क) टी.वी. माध्यम को सबसे सशक्त माध्यम माने जाने के क्या कारण हैं ?

(ख) मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए कौन-कौन सी बातों का ध्यान रखना ज़रूरी है ? किन्हीं तीन बिंदुओं को लिखिए ।

(पाठ्य–पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

10. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(क) 'बनारस' कविता के संदर्भ में लिखिए कि बनारस शहर की क्या पहचान है ?

(ख) 'मैंने देखा एक बूँद' कविता में ढलते सूरज की आग से क्षणभर रंगने वाली बूँद को देखकर कवि को क्या अनुभूति हुई ?

(ग) 'दिशा' कविता में 'मैंने पहली बार जाना हिमालय किधर है' – कवि के इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए ।

11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(क) 'कुटज' पाठ के आधार पर लिखिए कि दुःख और सुख मन के विकल्प क्यों हैं ?

(ख) यास्सेर अराफ़ात के आतिथ्य भाव से क्या प्रेरणा मिलती है ?

(ग) 'शेर' कहानी में प्रमाण से अधिक महत्वपूर्ण विश्वास को क्यों माना गया है ?

12. निम्नलिखित में से किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) विधि न सकेउ सहि मोर दुलारा । नीच बीचु जननी मिस पारा ।।
यहउ कहत मोहि आजु न सोभा । अपने समुझि साधु सुचि को भा ।।
मातु मंदि मैं साधु सुचाली । उर असआनत कोटि कुचाली ।।
फरहि कि कोदव बालि सुसाली । मुकता प्रसव कि संबुक काली ।। **6**

अथवा

(ख) मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण ! **6**

13. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) बड़े भैया के मरने के बाद ही जैसे सब खेल खत्म हो गया । तीनों भाइयों ने आपस में लड़ाई-झगड़ा शुरू किया । रैयतों ने ज़मीन पर दावे करके दखल किया, फिर तीनों भाई गाँव छोड़कर शहर में जा बसे, रह गई बड़ी बहुरिया-कहाँ जाती बेचारी ! भगवान भले आदमी को ही कष्ट देते हैं । नहीं तो एक घंटे की बीमारी में बड़े भैया क्यों मरते ? ... बड़ी बहुरिया की देह से ज़ेवर खींच-छीनकर बँटवारे की लीला हुई थी । हरगोबिन ने देखी है अपनी आँखों से द्रौपदी चीर-हरण लीला ! बनारसी साड़ी के तीन टुकड़े करके बँटवारा किया था, निर्दय भाइयों ने । बेचारी बड़ी बहुरिया । **6**

अथवा

(ख) मैंने जॉन साहब का नाम सुन रखा था । वे हमारे शहर के जाने-माने बैरिस्टर थे, मुस्लिम सज्जन थे । संभवत: गांधीजी उनके यहाँ ठहरे होंगे । फिर सहसा ही गांधीजी के मुँह से निकला – "अरे, मैं उन दिनों कितना काम कर लेता था । कभी थकता ही नहीं था ।" हमसे थोड़ा ही पीछे, महादेव देसाई, मोटा सा लट्ठ उठाए चले आ रहे थे । कोहाट और रावलपिंडी का नाम सुनते ही आगे बढ़ आए उस दौरे से जुड़ी अपनी यादें सुनाने लगे और एक बार जो सुनाना शुरू किया तो आश्रम के फाटक तक सुनाते चले गए ।

किसी-किसी वक्त गांधीजी, बीच में, हँसते हुए कुछ कहते । वे बहुत धीमी आवाज में बोलते थे, लगता अपने आपसे बातें कर रहे हैं, अपने साथ ही विचार विनिमय कर रहे हैं । उन दिनों को स्वयं भी याद करने लगे हैं । **6**

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

14. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लगभग **60** शब्दों में दीजिए :

(क) 'झोंपड़ी जला दिए जाने पर भी सूरदास किसी से प्रतिशोध लेना नहीं चाहता था ।' इस कथन के संदर्भ में उसके चरित्र की विशेषताएँ लिखिए । **3**

अथवा

(ख) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि माँ के साथ बच्चे का कैसा संबंध होता है और क्यों ? **3**